केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
R.D. Gahlot (U.M.S.) V.No.9110017 Govt. H.S.S. Jagga Ka Pura Ambah (Morena)	जे०एस० राठौर (उ०मा०शि०) शा० उ०मा०वि० ... पोरसा (मुरैना) V.No.-2015125

3

योग पूर्व पृष्ठ + =

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न -1 :- निम्नलिखित कथनों में से सत्य /असत्य का चयन कीजिए -

(i) सत्य
(ii) सत्य
(iii) असत्य
(iv) सत्य
(v) असत्य
(vi) सत्य

प्रश्न -2 :- सही जोड़ी का मिलान कर लिखिए -

'अ'		'ब'
(i) जिठौत	→	(ग) जेठ का पुत्र
(ii) बिम्ब	→	(क) शब्द - चित्र
(iii) जूझ	→	(घ) केशव प्रथम वीर
(iv) अतीत में दबे पाँव	→	(ज) यात्रा वृत्तांत
(v) फ्रीलांसर पत्रकार	→	(ख) अलग - अलग अखबारों में लेखन
(vi) समाचार लेखन की शैली	→	(च) उल्टा पिरामिड
(vii) [illegible]ज ऑफ प्रीस्ट्स	→	(स) धार्मिक अनुष्ठान का स्थान

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न -3 एक वाक्य में उत्तर लिखिए -

(i) समाचार लेखन के छह ककार हैं - क्या, कब, कौन, क्यों, कहाँ, कैसे।

(ii) गद्य की प्रमुख विधाएँ हैं - नाटक, उपन्यास, निबंध एवं कहानी।

(iii) रघुवीर सहाय 'तीसरे' तार सप्तक के कवि हैं। ✗

(iv) सिंधु सभ्यता की ईंटों की बनावट का अनुपात था - 1:2:4।

(v) हिंदी व्याकरण के वे शब्द जो किसी वाक्य का भाव एवं प्रयोग अर्थ समझने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, शब्द-शक्ति कहलाते हैं।

(vi) 'आम --- दाम' मुहावरे का अर्थ है - "आवश्यक कार्य के साथ-साथ अनावश्यक काम भी कर देना"।

(vii) दुर्मिल सवैया छंद का दूसरा नाम है - 'चन्द्रकला'।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 4 ⇒ निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए-

(i) (अ) निशा निमंत्रण

(ii) (ब) कैमरे में बंद अपाहिज

(iii) (अ) आठ

(iv) (स) भी

(v) (द) नीले शंख जैसा

(अ) संस्मरण

प्रश्न -5 ⇒ रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयनकर कीजिए-

(i) अवधि

(ii) अखबार की

(iii) पतंग

(iv) स्मृति की रेखाएँ

(v) आलम्बन

BSE

6 [ ] + [ ]
पृष्ठ 6 के अंक

प्रश्न क्र.

(vi) आनन्द रतन यादव

प्रश्न-6 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(i) महादेवी वर्मा विदुषी थीं।

(ii) श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

B
S
E

प्रश्न-7 (अथवा)
उत्तर → इण्टरनेट पत्रकारिता जनसंचार का अच्छा माध्यम है। यह काफी उपयोगी माध्यम है जिसके द्वारा संपूर्ण विश्व बहुत ही कम समय के अंदर खबरों की पुष्टि कर सकती है। एक जगह पर बैठकर पूरी दुनिया की जानकारी प्राप्त करना इण्टरनेट पत्रकारिता की सहायता से संभव हुआ है।

प्रश्न-8→

राष्ट्र	राजभाषा
→ यह निवासियों के द्वारा संपर्क के लिए बोली जाने वाली भाषा है।	→ यह सरकारी काम-काज की भाषा है।

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

→ राष्ट्रभाषा एक देश में 'एक' होती है। उदा॰ भारत की हिंदी	→ देश में एक से अधिक राज-भाषाएँ हो सकती हैं। उदा॰ भारत में २२ राजभाषाएँ हैं।
→ अंग्रजी में इसे 'National Language' कहते हैं।	→ अंग्रेजी में इसे 'Official Language' कहते हैं।

B
S
E

~~उत्तर 9~~ → प्रश्न 9 →

उत्तर → 'छोटा मेरा खेत' कविता में अंधड़-भावात्मकतारूपी आँधी का एवं बीज-शब्द व विचार का प्रतीक हैं। कवि कहते हैं कि जब उसके मन में भावनाओं की आँधी आती है तो वह विचार रूपी बीज बो देती है। उसी बीज को कल्पना रूपी खाद देकर कवि 'कविता' [फसल] का सृजन करता है। यही कविता अनंतकाल तक पाठकों को आनंद-रस प्रदान करती है।

प्रश्न 10 (अथवा) →

उत्तर → छायावाद के चार प्रमुख स्तंभ कवि कुछ इस प्रकार हैं -

(i) महादेवी वर्मा → 'यामा' (रचना)

(ii) जयशंकर प्रसाद → 'कामायनी' (रचना)

(iii) सुमित्रानंदन पंत →

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iv) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' → अनामिका (रचना)

प्रश्न 11 →

उत्तर → भक्तिन महादेवी वर्मा जी की सेविका थीं। उनके सेवक धर्म की तुलना हनुमान जी से इसलिए की गई है क्योंकि जिस प्रकार हनुमान जी ने अपना पूरा जीवन श्रीराम की आराधना में व्यतीत किया ठीक उसी प्रकार भक्तिन भी मन व कर्म से अपनी मालकिन के प्रति समर्पित थी। महादेवी वर्मा के खाने-पीने का ध्यान रखने व उनके साथ रात-रात भर जागने में ही भक्तिन का सेवा धर्म निखरकर आता है।

प्रश्न 12 →

उत्तर →

नाटक	एकांकी
(i) नाटक विस्तृत होता है।	(i) एकांकी संक्षिप्त होती है।
(ii) इसमें पात्रों की संख्या अधिक होती है।	(ii) इसमें पात्रों की संख्या कम होती है।
(iii) इसमें अनेक घटनाओं का वर्णन [illegible] है।	(iii) इसमें मुख्य रूप से एक ही घटना का वर्णन मिलता है।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न 13→

उत्तर → 'सिल्वर वैडिंग' के नायक यशोधर बाबू की विशेषताएँ कुछ इस प्रकार हैं :-

(i) यशोधर बाबू पुराने विचारों को मानने वाले व्यक्ति थे। बच्चों तथा पत्नी के समय के साथ बदल जाने पर भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। वे अपनी सालगिरह पर भी संध्या आरती को ज़्यादा महत्व देते हैं व उनको केक काटना आदि अपने संस्कारों के विरुद्ध लगता है।

(ii) वे अपने आदर्श व्यक्ति के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित थे। उन्होंने जीवनभर किशनदा के पद-चिन्हों पैरचलना उचित समझा तथा सदैव उनके आभारी रहे जिन्होंने उनके जीवन को दिशा दी।

B
S
E

प्रश्न 14 → (अथवा)

उत्तर → विरोधाभास दो शब्दों के मेल से बना है - विरोध व आभास। जहाँ वास्तव में विरोध न होते हुए भी विरोध के होने का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार मिलता है।

उदा० "मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ।"

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 15 →

उत्तर 15 →

स्थायी भाव	संचारी भाव
(i) इनकी प्रकृति स्थायी होती है अर्थात ये सहृदय के मन में लंबे समय तक विद्यमान रहते हैं।	(i) इनकी प्रकृति अस्थायी होती है अर्थात ये कुछ क्षण के लिए उत्पन्न होते हैं फिर लुप्त हो जाते हैं।
(ii) इनकी संख्या दस होती है।	(ii) इनकी संख्या तैंतीस (33) होती है।

B S E

प्रश्न 16 →

उत्तर → भाव विस्तार :- यह कथन पूर्ण रूप से सत्य है कि बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिस प्रकार आम को मसाले में मिलाकर कुछ समय के लिए रख देने से वह अचार का रूप ले लेता है, उसी प्रकार यदि क्रोध मन में बना रहे, तो आगे जाकर वह बैर को जन्म देता है। यदि किसी व्यक्ति के साथ अन्याय अथवा अहित हुआ है, तो उसके मन में क्रोध-रूपी अग्नि जलती रहती है। यही प्रतिशोध की भावना को जन्म देती है। प्रतिशोध न मिलने पर क्रोध बढ़ता ही चला जाता है और व्यक्ति के मन में दुश्मनी का भाव पैदा करता है। अतः, यह सच है कि अधिक समय तक रहने वाला क्रोध एक-दिन बैर में अवश्य परिवर्तित होता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 17 → निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

~~उत्तर~~ →

उत्तर → (i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक "मानव-श्रम का महत्व" होना चाहिए।

(ii) "मनुष्य और उसके शरीर" को विधाता की अनुपम रचना कहा गया है।

(iii) यदि मनुष्य अपने दुर्लभ तन को आलस्य, प्रमाद अथवा घटिया कामों में गँवा दे, तो यह विधाता के प्रति अन्याय है।

B
S
E

प्रश्न 18 →

उत्तर 18 → कुँवर नारायण जी का काव्यगत परिचय कुछ इस प्रकार है :-

(i) दो रचनाएँ :- वाजश्रवा के बहाने, कोई दूसरा नहीं।

(ii) भावपक्ष :- आपकी भाषा सरल व सहज है। इसमें प्रकृति-प्रेम उभरकर आता है। आपकी कविताएँ पाठकों में आनंद उत्पन्न करने में सक्षम हैं। तद्भव व तत्सम शब्दों का प्रयोग बखूबी किया जाता है।

कलापक्ष :- श्रृंगार रस की प्रधानता मिलती है। आपका काव्य पढ़कर मन प्रफुल्लित हो उठता है अर्थात माधुर्य गुण व्याप्त है। अलंकारों का प्रयोग भी काव्य को मनोरम बना देता है। सबसे महत्वपूर्ण, आपकी कविताएँ लयबद्ध होती हैं।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य में स्थान :- आप हिंदी साहित्य में आसमान के सूरज की तरह विद्यमान हैं। आपकी कविताएँ संपूर्ण जन-समाज को आनंदित व प्रेरित करने वाली होती हैं। आपने कविता को छंदों में ऐसे बाँधा है, जैसे मोतियों की माला हो। आपके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए साहित्य सदैव आपका आभारी रहेगा।

प्रश्न 19→
उत्तर 19→ धर्मवीर भारती जी का साहित्यिक परिचय कुछ इस प्रकार है —

(i) दो रचनाएँ :- * सूरज का सातवाँ घोड़ा
* गुनाहों का देवता

(ii) भाषा :- आपकी भाषा में क्लिष्टता न होकर सहजता है। हिंदी, अंग्रेज़ी, तद्भव व तत्सम शब्दों का प्रयोग आपके लेखन में देखने को मिलता है। व्यवहारिक भाषा होने के कारण आपकी कथा, कहानियों का संदेश सीधा पाठक के दिल तक पहुँचता है।

शैली :- आपके लेखन में अनेक प्रकार की शैलियाँ देखने को मिलती हैं। मुख्य रूप से वर्णनात्मक शैली है — आप किसी भी घटना, व्यक्ति व स्थान का विवरण करना अच्छे से जानते हैं। इसके अलावा भावात्मक शैली का भी प्रयोग किया गया है। अपनी कल्पना को शब्दों में प्रस्तुत करना चित्रात्मक शैली कहलाती है। यह कला भी

B
S
E

योग पूव पृष्ठ

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

आपके लेखन में है।

(iii) साहित्य में स्थान → हिंदी साहित्य में आपका स्थान अद्वितीय है। 'गुनाहों का देवता' एक सदाबहार रचना है जो हिंदी की पाँच सबसे ज़्यादा बिकी पुस्तकों में से एक है। आपकी रचनाओं ने संपूर्ण समाज को नए तरीके से सोचना सिखाया है। ~~आपका~~ साहित्य सौ आपका ऋणी रहेगा।

~~प्र~~ [illegible] 20 → (अथवा)

B
S
E

P.T.O.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर २० (अथवा)→ 'पत्र'

15, हनुमान नगर
गोले का मंदिर,
ग्वालियर (म.प्र.)

दिनांक :- 25 फरवरी, 2025

प्रिय सुरभि,
सप्रेम नमस्कार।
मैं यहाँ कुशल हूँ आशा करती हूँ तुम भी सकुशल होगी। मुझे कल ही तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि तुमने वाद- विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके हम ~~सब~~ सबका गौरव बढ़ा दिया। मैंने कहा था न तुम्हारी मेहनत अवश्य रंग लाएगी। बचपन से ही तुम्हारी वाद -विवाद में रूचि व अपने विचारों को दूसरों के समक्ष इतने अच्छे ढंग से रखने की कला ने आज अपना जादू दिखा ही दिया। मैं और मेरे माता-पिता तुम्हारी इस उपलब्धि से बहुत खुश हैं तथा तुम्हें पुरस्कृत करने का इंतज़ार कर रहे हैं। हम जल्द ही मिलेंगे और तुम्हारी जीत का जश्न मनाएंगे। इस सफलता के लिए बहुत सारी बधाईयाँ !!

आंटी-अंकल को नमस्ते कहना और छोटू को स्नेह देना।

तुम्हारी प्रिय सहेली
स्नेहा।

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न -२१→ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रूपरेखा सहित निबंध लिखिए -

भारतीय नारी : वर्तमान और भविष्य

"कम मत समझना, यह है भारतीय नारी,
एक दिन पड़ेगी सब पर भारी, देखती रह जाएगी दुनिया सारी।"

रूपरेखा :-

① प्रस्तावना
② भारतीय नारी व समाज
③ भारतीय नारी व शिक्षा
④ कुरीतियों का खंडन करने में अग्रसर
⑤ भारतीय नारी का उज्जवल भविष्य
⑥ उपसंहार

BSE

① प्रस्तावना :- भारत देश की लगभग पचास प्रतिशत जनता 'स्त्रियाँ' हैं। यह प्रमाणित है कि देश को चलाने में जितना योगदान पुरुषजाति का रहा है, उतना ही स्त्रीजाति का भी रहा है। भारतीय नारी ने अपने स्वरूप में ऐसा परिवर्तन करा है कि समस्त संसार आज उनकी सराहना करता है। यह सत्य नहीं ठुकराया जा सकता कि भारतीय नारी किसी से कम नहीं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B S E

② भारतीय नारी व समाज :- हमारे समाज में काफी लंबे समय तक नारियों ने अत्याचार सहे। समाज स्त्रियों को नीचा दिखाने का कोई मौका कहीं नहीं छोड़ता। भारतीय नारी को शोषण का पात्र समझा जाता था। पर यह तसल्ली की बात है, कि अब समाज के भारतीय नारी के प्रति विचार बदल रहे हैं।

③ भारतीय नारी व शिक्षा :- इतिहास गवाह है यदि स्त्रियों को शिक्षा का अवसर दिया जाए, तो वे न सिर्फ अपना अपितु समस्त देश को प्रगतिशील बनातीं हैं। ~~अवसर~~, महिलाएँ शिक्षा का महत्व समझती हैं क्योंकि उन्हें यह अधिकार प्राप्त करने के लिए बहुत संघर्ष से गुज़रना पड़ा। इसलिए कहते हैं "बेटी बचाओ ~~नहीं~~, साथ-ही साथ, उसे इतना पढ़ाओ कि वह देश का नाम रोशन कर सके।"

④ कुरीतियों का खंडन करने में अग्रसर :- भारत की भूमि ने कई ऐसी महान स्त्रियों को भी जन्म दिया जो आज प्रत्येक भारतीय नारी के लिए मिसाल बन गईं। महालक्ष्मीबाई से लेकर महादेवी वर्मा तक, ने समाज की दकियानूसी सोच एवं धारणाओं का खंडन किया एवं यह साबित करके दिखा दिया कि यदि नारी शक्ति जाग जाए, तो वह कुछ भी कर सकती है।

⑤ भारतीय नारी का उज्जवल भविष्य :- जिस गति से हम प्रतिदिन खबरों में देखते हैं कि स्त्रियाँ खेल-कूद से लेकर ~~वि~~ अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में प्रगति करती जा रही हैं, उससे यह प्रमाणित हो जाता है कि उनका भविष्य सूर्य के समान उज्जवल है। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

योग

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

⑥ उपसंहार :- अतः, हम देख पाते हैं कि स्त्री व पुरुष के साथ समान व्यवहार करना व उन्हें समान अवसर देना कितना आवश्यक है। भारतीय नारी किसी से कम नहीं, यह वे सिद्ध कर चुकी हैं तथा आगे भी करेंगी।

प्रश्न २२ → निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ-प्रसंग एवं विशेष सहित भावार्थ लिखिए-

"धूत कहौ - - - - - - - - दोऊ।।"

(i) संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह' की कवितावली' से अवतरित है। इसके रचयिता 'तुलसीदास' हैं।

(ii) प्रसंग :- इसमें वे कहते हैं कि वे राम जी के भक्त हैं। राम-भक्ति को प्रस्तुत किया है तुलसीदास जी ने।

(iii) ~~व्याख्या~~ भावार्थ :- तुलसीदास जी कहते हैं कि वे इस संसार के बंधनों से मुक्त हो चुके हैं। अब उन्हें इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि दुनिया उन्हें किस नाम से पुकारती है। लोग उन्हें धूत (मक्कार) कहें अथवा ~~संत~~ संन्यासी कहें, राजपूत कहें या बुनकर (जोलहा) कहें, वे कोई भी नाम खुशी-खुशी स्वीकार लेंगे। वे आगे कहते हैं कि उन्हें ~~कौनसा~~ न तो किसी की बेटी से अपने बेटे का ब्याह रचाना है और न ही किसी की जाति बदलना है। उन्हें तो केवल एक ही नाम पसंद है, 'राम-भक्त' व 'राम का गुलाम'। वे संसार की मोह-माया से दूर हो चुके हैं, उनका जीवन बहुत

प्रश्न क्र.

सरल है। वे माँग के खाते हैं, मस्जिद में सोते हैं, न किसी से कुछ लेते हैं न उनके पास देने के लिए कुछ है।

(iv) विशेष :- * सवैया छंद का प्रयोग है।
* राम-भक्ति का खूबसूरत उदाहरण है।
* लयबद्धता ने कवित्त मन मोह लिया है।

B
S
E

प्रश्न २३→
उत्तर २३→ "रात्रि की ------- थी।"

(i) संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह' की कहानी 'पहलवान की ढोलक' से अवतरित है। इसके रचयिता 'फणीश्वर नाथ रेणु' हैं।

(ii) प्रसंग :- पहलवान की ढोलक महामारी से तड़प रहे लोगों में जीने की इच्छा पैदा कर देती है।

(iii) व्याख्या :- संपूर्ण गाँव हैजे और मलेरिया की चपेट में आ चुका था। गाँव की हर झोपड़ी में मृत्यु का साम्राज्य था। ऐसे में, जाड़े की ठंडी-काली व भयानक रात में भी लोगों में आशा की किरण जीवित रहे, इसलिए लुट्टन सिंह पहलवान शाम से लेकर सुबह तक लगातार ढोलक बजाता रहता था। ढोलक की थाप ग्रामीण लोगों के लिए किसी औषधि से कम नहीं थी। ढोलक की आवाज़ सुनकर बच्चे-बूढ़े-जवान

योग पूर्व पृष्ठ
कुल अंक
मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

सबकी नसों में मानो खून दौड़ जाता था। उनमें जीने की इच्छा उत्पन्न हो जाती थी तथा मृत्यु का भय समाप्त हो जाता था। पूरा थका गाँव जब उम्मीद हार जाता था तब यही ढोलक बार-बार उन्हें सांत्वना देती व हिम्मत देती।

(iv) विशेष :- ① आम बोल-चाल की खड़ी बोली का प्रयोग।
② शब्द युग्मों का अच्छा प्रयोग।
③ लघु वाक्यों से रूचि पैदा करना।

B
S
E